

## मुख्यमंत्री ने की कई महत्त्वपूर्ण घोषणाएँ

### चर्चा में क्यों?

23 मार्च, 2023 को उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के लिये कई महत्त्वपूर्ण घोषणाएँ की।

### प्रमुख बटु

- कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि प्रदेश में 'मुख्यमंत्री प्रतियोगी परीक्षार्थी परिवहन योजना' लागू की गई है जिसके अंतर्गत राज्य के प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों को रोडवेज की बसों में 50 फीसदी करिया ही देना होगा। यह सुविधा परीक्षा देने जाने और वापस आने, दोनों तरफ की यात्रा के लिये मिलेगी।
- राज्य में अब कक्षा छह से ही कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी की शिक्षा लागू हो जाएगी। इसके अलावा लोकतंत्र सेनानी की मृत्यु होने पर उनको मिलने वाला पेंशन वधिया पत्नी को दी जाएगी।
- इस दौरान मुख्यमंत्री ने सूचना एवं लोकसंपर्क विभाग की एक साल नई मसाल विकास पुस्तिका का भी वमौचन किया।
- उन्होंने 37 करोड़ रुपए की लागत से सहस्त्रधारा के तरला नागर में प्रस्तावित सटी फॉरेस्ट योजना का भी शलानुयास किया।
- सीएम धामी की अन्य घोषणाएँ-
  - चलती-फरिती प्रयोगशाला** - उत्तराखण्ड के सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिये सभी 13 जिलों में चलती-फरिती प्रयोगशाला (लेब ऑन व्हीलस) शुरू की जाएगी।
  - साइंस व आईटी कॉरिडोर** - राज्य में वज्जान प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी गलथारा (कॉरिडोर) बनेगा। जलद साइंस और टेकनोलॉजी इनोवेशन पॉलिसी आएगी।
  - खेल वशिवदियालय** - हलदवानी स्थिति गौलापार में बने अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का उचचीकरण कर उसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार खेल वशिवदियालय बनाया जाएगा।
  - मुख्यमंत्री औदयानिकी योजना** - प्रदेश के कसानों के लिये मुख्यमंत्री औदयानिकी योजना शुरू की जाएगी। वही पशुपालकों के लिये मुख्यमंत्री राज्य पशुधन मशिन शुरू होगा।
  - सड़कों से जुड़ेंगे गाँव** - जलद मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना शुरू होगी। इस योजना के तहत 250 से अधिक आबादी वाले गाँवों की मुख्य सड़कों का नरिमाण होगा।
  - कौशल विकास योजना** - युवाओं के लिये मुख्यमंत्री कौशल विकास एवं रोजगार योजना शुरू होगी। इसमें स्नातक पास छात्रों को आवश्यक रूप से दक्ष बनाया जाएगा।
  - सरोवर योजना** - सभी 70 वधियानसभा क्षेत्रों में एक-एक अमृत सरोवर बनाया जाएगा। इन्हें पर्यटक स्थल व जल क्रीडा के केंद्र के रूप में वकिसति किया जाएगा।
  - स्वरोजगार केंद्र** - सभी जिलों में जलिया सेवा योजना एवं कौशल विकास कार्यालय को स्वरोजगार केंद्र के नोडल कार्यालय के रूप में वकिसति किया जाएगा।
  - चलते-फरिते स्कूल** - शर्मिकों के बच्चों को साक्षर बनाने के लिये चलते फरिते (मोबाइल) स्कूल शुरू कथि जाएंगे, जनिमें शकिषक मौके पर जाकर बच्चों को पढ़ाएंगे।
  - गैरसैण तक चौड़ा होगा मार्ग** - ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैण के लिये दविलीखाल से सड़क मार्ग का चौड़ीकरण कथि जाएगा, जसिसे करणप्रयाग गैरसैण मार्ग सुगम हो जाएगा।
  - लोक परवों को महत्त्व** - उत्तरायणी, फूलदेई, हरेला, ईगास, बूढी दविली जैसे उत्तराखण्ड के लोकपरवों को व्यापक पहचान दलिया जाने के लिये समेकति नीति बनेगी।

